अ नु क्र म णि का

पृष्ठ संख्या

श्री रामेश्वर दयाल दुबे कृत - ` अगस्त्य ` नाटक का अनुशीलन --

	-	भूमिका	1
प्रथम अध्याय	-	नाटककार का साहित्यिक परिचय (कृतित्व, व्यक्तित्व)	3
द्वितीय अध्याय	-	हिन्दी के पौराणिक नाटकों की रूपरेखा	20
तृतीय अध्याय	-	नाटक का शिल्प	36
१	-	कथावस्तु	
२	-	नाटक की कथावस्तु के मूलस्त्रोत	
३	-	पात्र या चरित्र	
४	-	कथोपकथन	
५	-	देशकाल, वातावरण	
६	-	प्रयोजन	
७	-	अभिनेयता	
८	-	काव्यात्मकता	
९	-	शास्त्रीयता	
१०	-	नाटक की भाषा	
११	-	मंचीयता ।	
चतुर्थ अध्याय	-	उपसंहार	126
		संदर्भ ग्रंथ सूचि ।	